प्रेरणा

त्रैमासिक समाचार पत्र

श्री शक्ति डिग्री कालेज

साँखाहरी, हरबसपुर, घाटमपुर

कानपुर नगर-209206

Prerna

QUARTERLY NEWS LETTER

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

Sankhahari, Harbaspur, Ghatampur,

Kanpur Nagar-209206

जुलाई से सितम्बर-2015

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत मूक नाटिका के द्वारा दिया 'स्वच्छ गांव स्वस्थ गांव' का संदेश

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 सितम्बर को घाटमपुर कस्बा स्थित कुष्माण्डा देवी मन्दिर पर परिसर में महाविद्यालय के छात्रों ने मूक नाटिका के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व को बताया। नाटक के माध्यम से बताया कि हम अपने गांव को कैसे स्वच्छ और निर्मल बनाकर बीमारियों की चपेट में आने से बच सकते हैं। महाविद्यालय प्रबन्धक विनय त्रिवेदी के संयोजन एवं शिक्षक राऊनन्दन विद्यार्थी के निर्देशन ने महाविद्यालय के छात्रों हेमन्त त्रिवेदी, अमित यादव, मयंक मिश्रा, अटल दीक्षित, ओम सचान, चैतन्य गुप्ता एवं वैभव ने मूक नाटिका में लोगों के सफाई के प्रति बेपरवाह होने और उसके बाद उनके साथ को बीमार होते दर्शाया। डाक्टर द्वारा ईलाज के दौरान साथी की मौत हो जाती है इसके बाद डाक्टर उनके साथियों को गन्दगी से पैदा होने वाले संक्रमण से मौत होने की जानकारी देता है नाटिका के अन्त में सभी साथी जीवन भर सफाई अपनाने की शपथ लेते हैं तथा लोगों से अपने आस-पास साफ-सफाई रखने को प्रेरित करते हैं। इस मूक नाटिका के माध्यम से छात्रों ने लोगों से मन्दिर परिसर को साफ रखने का अनुरोध किया और कहा कि आने वाले नवरात्र में देवी भक्त पूजा के साथ परिसर को साफ करने का भी दायित्व निभायें साथ ही गांव-गांव जाकर यह सफाई अभियान चलायें ताकि स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सके।

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत एन0सी0सी0 कैडेट्स ने गाजर घास को समूल किया नष्ट

दिनांक 08 सितम्बर को महाविद्यालय में पार्थेनियम (गाजर घास) उन्मूलन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया और वनस्पति विज्ञान के असिस्टेन्ड प्रोफेसर डॉ0 प्रभाकान्त के द्वारा पार्थेनियम अर्थात गाजर घास को एक प्रकार का बीड बताते हुये इससे फसलों सहित आम लोगों व पशुओं के लिये बहुत ही खतरनाक बताया गया है। यह मनुष्यों में एलर्जी, दमा, खांसी जैसे खतरनाक बीमारी उत्पन्न करती है वहीं इससे निकलने वाला केमिकल पौधों को समाप्त कर जमीन की उर्वरा शक्ति को कमजोर करता है। वनस्पति विज्ञान विद् एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन ने बताया किया गाजर घास भारत में लगभग 25 वर्ष पूर्व विदेशों से आये अनाज के साथ आयी जिसने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है जो किसी भी रसायन से नष्ट नहीं हो सकती है इसके खत्म करने का एक ही विकल्प है कि इसे फूलने से पूर्व ही जड़ से उखाड़कर इसे जला दिया जाये और महाविद्यालय के छात्रों द्वारा एनसीसी प्रभारी विवेक त्रिवेदी के नेतृत्व में महाविद्यालय प्रांगण व आस–पास की गाजर घास को उखाड़कर जलाने का काम किया और इस विधि को आम लोगों तक पहुंचाने का आवाहन कर गाजर घास को खत्म किये जाने का अभियान चलाने की बात कही है।

सेटेलाइट अन्वेषिका लैब का हुआ शुभारंभ

दिनांक 24 जुलाई 2015 को महाविद्यालय में स्थापित सेटेलाइट अन्वेषिका का शुभारंभ आई0 आई0 टी0 कानपुर के वरिष्ठ भौतिकविद् प्रो0 एच0सी0 वर्मा ने किया। प्रो0 वर्मा ने कहा कि अधिकांश लोगों को विज्ञान की अवधारणा ही स्पष्ट नहीं होती जिसके चलते विषय कठिन लगता है। प्रो0 वर्मा ने कहा कि विज्ञान रटने का विषय नहीं है। इसको समझने के लिये विषयगत अवधारणा को समझना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए अन्वेषिका प्रयोगशाला बनायी गयी है। जहाँ छात्र विज्ञान को प्रयोग करते हुए सीखेंगे। प्रो0 वर्मा ने छात्र–छात्राओं को बताया कि प्रकृति के सभी

क्रिया कलाप विज्ञान के सिद्धान्तों पर आधारित होते हैं और बगैर वैज्ञानिक कारण के प्रकृति में कुछ भी घटित नहीं होता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की घटनाओं को देखकर भी विज्ञान को आसानी से सीखा जा सकता है। प्रो0 वर्मा ने कहा कि महाविद्यालय में यह प्रयोगशाला स्थापित होने से महाविद्यालय ही नहीं बल्कि क्षेत्र के अन्य विद्यालयों के छात्र यहां आकर भौतिकी के प्रयोग सीख सकेंगे। प्रो0 वर्मा ने छात्रों के बीच पहुँच कर उनको भौतिकी के कई प्रयोग करने के तरीके प्रयोग करके समझाये। इनमें लेजर बीम के जरिये प्रकाश परावर्तन, विकिरण और प्रकाश की गति संबन्धी प्रयोग मुख्य रहे। आई0 ए0 पी0टी0 के सचिव व भौतिकी के प्राध्यापक डॉ0 संजय शर्मा ने बताया कि अब तक कुल 20 अन्वेषिका बन चुकी है। महाविद्यालय में स्थापित यह लैब नये आयाम स्थापित करने में सफल होगी ऐसा उनका विश्वास है। इस अवसर पर एसेन्ट पब्लिक इण्टर कालेज घाटमपुर, एकलब्य इण्टर कालेज सजेती, सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज हमीरपुर, बाल उद्यान इण्टर कालेज घाटमपुर, विवेकानन्द इण्टर कालेज जहानाबाद, जगरानी पब्लिक इण्टर कालेज तागा, सर्वोदय विद्या मन्दिर इण्टर कालेज बिरनई, श्री आस्तिक मुनि इण्टर कालेज कोरियां आदि इण्टर कालेजों के भौतिक विज्ञान के शिक्षक व छात्र–छात्राएं मौजूद रहकर विज्ञान के सरल प्रयोग करके सीखे । कार्यक्रम का संचालन अनवेषिका के अमित बाजेपयी ने किया।

देश के महान वैज्ञानिक प्रो0 पी0 सी0 रे का जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

महाविद्यालय में दिनाँक 01 अगस्त को देश के प्रमुख महानि वैज्ञानिक स्व0 प्रो0 पी0 सी0 रे के जन्म दिवस (2 अगस्त 1861) की पूर्व संध्या पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 मंजू अग्निहोत्री ने कहा कि लोगों को भोजन में शहद का प्रयोग अधिक करना चाहिये इससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके साथ ही लोगों को भोजन की पैकिंग में एल्यूमीनियम फाइल के प्रयोग से बचना चाहिए क्योंकि इसके

लगातार प्रयोग से अल्जाइमर (भूलने की बीमारी) होने का खतरा बढ़ता है। इस दौरान डॉ0 नीलिमा ने कहा कि डॉ0 पी0 सी0 रे महान वैज्ञानिक के साथ–साथ समाज सेवी भी थे। उन्होंने 1923 में बंगाल प्रान्त में आयी बाढ़ के दौरान लोगों की भरसक मददकी थी। प्राचीन आयुर्वेद में वर्णित औषधियों को सरल व वैज्ञानिक रूप से तैयार करने के चलते उन्हे भारतीय फार्मा स्युटिकल्स इतिहास में भी याद किया जाता है। कालेज प्रबन्धक व उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संघ के अध्यक्ष श्री विनय त्रिवेदी ने प्रो0 रे को कपड़ों को सुरक्षित रखने के लिये वार्ड सेव में रखी जाने वाली नेप्थलीन, वाल व घरों की नियमित सफाई में प्रयोग आने वाली फिनाइल का जन्मदाता करार दिया।

परिचय सम्मेलन के साथ शुरू हुआ सत्र 2015–16 का शुभारम्भ

दिनांक 13 व 14 अगस्त को महाविद्यालय में संचालित बी0ए0, बी0एस–सी0 एवं बी0सी0ए0 संकाय में नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं के लिये परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम उद्देश्य नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को कालेज के विभिन्न क्रिया–कलापों, शिक्षकों, कक्षाओं, लाइब्रेरी एवं उनके कोर्स से सम्बन्धित समस्त जानकारी मुहैया कराने के साथ–साथ छात्र/छात्राओं को आपस में भी एक–दूसरे का परिचय पाना है। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने छात्र/छात्राओं को नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होने का सुझाव दिया। उन्होंने छात्र–छात्राओं को अपना बेहतर भविष्य बनाने के लिये कोर्स की पढ़ाई के साथ अपने व्यक्तित्व का भी विकास करने को अनिवार्य बताया। श्री त्रिवेदी ने छात्र/छात्राओं से अपने माता–पिता, गुरूजनों एवं बड़ो का सम्मान करने तथा एक–दूसरे से मिलकर प्रेम पूर्वक रहने की सीख दी। महाविद्यालय में आई0सी0टी0 प्रभारी विवेक त्रिवेदी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से कालेज के प्रबन्ध तंत्र, पुस्तकालय, भाष प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब, सांइस लैब व कक्षाओं में आधुनिक शिक्षण पद्धति के बारे में विस्तार से बताया। महाविद्यालय में भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से इंग्लिश स्पीकिंग एवं कम्प्यूटर शिक्षा के साथ–साथ रोजगार परक कोर्सों की शिक्षा की निःशुल्क व्यवस्था के बारे में छात्र/छात्राओं को अवगत कराया गया। प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन ने विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुये अनुशासन में रहने की सीख दी, साथ ही सभी प्राध्यापकों ने अपने–अपने विषय से सम्बन्धित समस्त जानकारी छात्र/छात्राओं को दी। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने गीत, कवितायें, हास्य आदि प्रस्तुत कर नियमित रूप कक्षाओं में उपस्थित होने, सांस्कृतिक एवं खेल–कूद आदि कार्यक्रमों भाग लेने का निश्चय किया।

महाविद्यालय में जैवविविधता जागरूकता हेतु हुआ कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 30 अगस्त को महाविद्यालय में जैवविविधता जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 संजीवा नायक ने कहा कि दो सौ वर्ष पूर्व तक देश में जैव विविधता का स्तर बहुत अच्छा था लेकिन औद्योगिक क्रान्ति से इसे बहुत नुकसान पहुँचा है। बाकी कसर कृषि में प्रयुक्त कीटनाशकों व रासायनिक खादों ने पूरी कर दी। मौसम चक्र बिगड़ने के मूल में भी जैवविविधता को नुकसान ही है। डॉ0 नायक ने कहा कि जैवविविधता की दृष्टि से उत्तर प्रदेश अभी भी काफी समृद्ध है। यहां करीब 1500 प्रकार के पौधे, 550 प्रजाति की चिड़िया व 450 प्रजाति की तितलियां है जो जैवविविधता को पुष्ट करने में सक्षम है। डॉ0 नायक ने कीटनाशकों से बचने की सलाह देते हुये गिद्ध प्रजाति के लुप्त होने का प्रमुख कारण कीटनाशकों का प्रयोग बताया। डॉ0 नायक ने बताया कि अब खुशी की बात है कि उत्तर प्रदेश में गिद्धों की संख्या बढ़ रही है। कार्यशाला में वनस्पति विज्ञानी डॉ0 विजय टॉक् ने बताया कि आदिवासी व ग्रामीण स्वस्थ रहने व बिमारियों से बचाव के लिये वनस्पतियों का प्रयोग करते हैं। जिसका प्रयोग कर हानिरहित तरीके से तमाम बिमारियों का इलाज किया जा सकता है। अब वनस्पतियों से इलाज को विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) भी बढ़ावा दे रहा है। अन्य वैज्ञानिक डॉ0 गौरव मिश्र ने लाइकेन के जलवायु परिवर्तन के योगदान पर चर्चा की उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के अभी सिर्फ पांच फीसदी हिस्से पर ही दुनिया में शोध हुआ है। डॉ0 मिश्र ने कहा कि लाइकेन एल्गी व फंगई के योग से बनता है जिसके प्रयोग से विभिन्न बिमारियों का ईलाज सम्भव है। डॉ0 मिश्र ने चेताया कि किसी जीव व वनस्पति के नष्ट होने से पूरी जैवविविधता प्रभावित होती है। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी, प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन, डॉ0 भावना शर्मा, डॉ0 प्रभाकान्त आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 हर्षिता जायसवाल ने किया।

इनफ्लिबनेट द्वारा आयोजित कार्यशाला में महाविद्यालय ने की सहभागिता

डॉ0 जगदीश अरोड़ा के साथ कार्यशाला में मौजूद विवेक त्रिवेदी

यू0जी0सी0 की संस्था इनफ्लिबनेट, गाँधी नगर, अहमदाबाद द्वारा एक कार्यशाला 12–14 अगस्त, 2015 को आयोजित की गई थी। जिसमें महाविद्यालय की ओर से पुस्तकालयाध्यक्ष अमित कुमार श्रीवास्तव एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के विवेक त्रिवेदी ने सहभागिता की। कार्यशाला में ई–रीसोर्स मैनेजमेन्ट पर चर्चा की गई, जो कि काफी लाभप्रद रही। कार्यशाला में पं0 बंगाल, असम, महाराष्ट्र से भी लोगों ने सहभागिता की।

''भारतीय एकता एवं हिन्दी'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 14 सितम्बर को महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में ''भारतीय एकता एवं हिन्दी'' विषय पर एक संगोष्ठी एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक एवं उ0प्र0 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एशोसिएशन अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने कहा कि हिन्दी हमारी मातृ भाषा के साथ–साथ राष्ट्र भाषा है। हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसने पूरे देशवासियों को एकता में पिरोने का कार्य किया है। हिन्दी प्रसार में आज सिनेमा, न्यूज चैनल समाचार पत्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री त्रिवेदी ने गणेश शंकर विद्यार्थी जी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र प्रताप का जिक्र करते हुये पत्रकारिता जगत एवं स्वतन्त्रता आन्दोलन में हिन्दी के योगदान की बात कही। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 सन्दीप त्रिपाठी ने कहा कि आज देश में यूं तो अनेकों भाषाएं बोली जाती है हिन्दी एक ऐसी मातृ भाषा है जो आज भारत को विश्व गुरू बनाने में सक्षम है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन बी0सी0ए0 विभागाध्यक्ष विवेक त्रिवेदी, डॉ0 जयकिशोर, डॉ0 सन्ध्या सचान आदि शिक्षकों एवं छात्रों ने गोष्ठी में हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं समाज के उत्थान में योगदान के बारे में चर्चा की।

''ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट'' कार्यक्रम के अन्तर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

दिनांक 15 सितम्बर को ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के अन्तर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर उ0प्र0 सरकार में प्रमुख सचिव वरिष्ठ आई0ए0एस0 अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षाओं में सफलता पाने के लिये कोई शार्टकट नहीं होता है। बल्कि इसके लिये कठिन परिश्रम और लगन की आवश्यकता होती है। छात्र विषय वस्तु का गंभीरता से अध्ययन करने के साथ ही अपने लक्ष्य को केन्द्रित करते हुये आगे बढ़े तो आई0ए0एस0 व पी0सी0एस0 परीक्षाओं में अवश्य सफलता हासिल कर सकते हैं। श्री सिंह ने छात्रों को प्रेरित करते हुये कहा कि वह प्रशासनिक सेवा के साथ ही राजनीति में भी रूचि रखें जिससे देश को एक स्वच्छ छवि वाले नेता व बेहतर सोंच रखने वाले राजनयिक भी मिल सकें। श्री सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों को जनता का नौकर बताते हुये कहा कि अधिकारियों को चाहिये कि वह बिना किसी भेदभाव और दबाव के निष्पक्ष होकर जनता के हित में कार्य करें। जनता कार्य करना उनका कर्तव्य है। श्री सिंह ने कहा कि आज आरक्षण का लाभ सम्पन्न लोगों जिसमें हम जैसे अधिकारी व नेता शामिल है अर्थात अपात्रों को मिल रहा है जबकि आरक्षण का लाभ निर्बल लोगों को मिलना चाहिए। निर्बल वर्ग आज भी पिछड़ा हुआ है। कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने कहा कि जब तक घाटमपुर तहसील के एक दर्जन छात्र आई0ए0एस0 व पी0सी0एस0 नहीं बनेंगे तब तक क्षेत्र का विकास सम्भव नहीं है। कार्यक्रम के दूसरे व अन्तिम दिन कम्युनिकेशन गुरू डॉ0 बी0के0 चन्द्रा ने रोजगार प्राप्ति में कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताते हुये व्यक्तित्व विकास का अहम अंग बताया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स से मुखातिब वरिष्ठ अफसर ने कहा कि हमें सदैव राष्ट्र रक्षा व प्रेम का ध्येय रखना चाहिए। साथ ही श्री ने उन्हें भी सफलता के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्र/छात्रां मौजूद रहे।

गाइडेन्स एण्ड काउन्सिलिंग का एक दिवसीय शिविर आयोजित

दिनांक 30 सितम्बर को महाविद्यालय में परामर्श एवं निर्देशन शिविर में मण्डलीय मनोवैज्ञानिक डॉ0 एल के सिंह छात्रों को सफलता के गुर सिखायें। उन्होंने कहाकि थिकिंग मैनेजमेंट की सफलता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा सफलता प्राप्ति के लिये हमें वर्तमान में जीना चाहिये। शिविर को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहाकि सफल जीवन के लिये व्यक्ति को 80 प्रतिशत विचार वर्तमान के लिये पांच प्रतिशत भूतकाल के लिये एवं 15 प्रतिशत भविष्य की योजनाओं के लिये होना चाहिए यदि कोई व्यक्ति अपने गुजरे हुये कल के बारे में कुल विचार का 15 प्रतिशत से अधिक सोचता है तो वह नकारात्मक विचारों के फेर में पड़कर डिप्रेशन का शिकार हो सकता है इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति भविष्य की योजनाओं के बारे में 15 प्रतिशत से अधिक सोंचता है तो वह अपना समय बरबाद कर केवल स्वप्नों में खोने वाला व्यक्ति बन जायेगा और ऐसे व्यक्तियों से सफलता कोसों दूरे चली जायेगी। डॉ0 सिंह ने सलाह दी कि छात्र/छात्राएं अपना स्वयं मूल्यांकन करने की आदत डाले और अपनी बौद्धिक क्षमता एवं व्यक्तित्व के अनुसार अपने लक्ष्य को निर्धारित कर सुनियोजित ढंग से कठिन परिश्रम कर प्राप्त करें। डॉ0 सिंह ने कहा कि छात्राएं लड़कों की तरह बनने के प्रयास न करें। छात्राओं में ऐसी कई प्रतिभायें होती है जो लड़कों से अधिक है लड़कियां स्वयं मूल्याकंन एवं काउन्सलर की सलाह से अपनी प्रतिभा एवं गुणों के अनुसार यदि करियर चुनती है तो वह उस क्षेत्र में लड़कों को पीछे छोड़ते हुये शिखर तक पहुँच सकती है। इस अवसर पर मनौवैज्ञानिकों ने छात्र/छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की काउन्सिलिंग करते हुये विभिन्न समस्याओं जैसे पड़ने में मन न लगना का कारण पढ़ाई का मानसिक अनुकूलन स्थापित न होना है।

इसके समाधान के लिये बताया कि कम से कम 90 दिन स्कूल के अतिरिक्त लगातार 3–4 घंटे नियमित अध्ययन करें भले ही यह टुकड़ों में हो। परिवार में माता–पिता में मतभेद होना के लिये बताया कि माता–पिता दोनों को फोन पर बात कराकर काउन्सिलिंग करने अथवा किसी मनोवैज्ञानिक से एक या दो बार व्यक्तिगत सलाह लेने को कहा। संकोची स्वभाव होने कक्षा में पूछने में झिझक होने के समाधान के लिये सामाजिक समारोहों एवं विद्यालयों में आयोजित समारोहों एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने को बताया।

परामर्श एवं निर्देशन शिविर में सतेन्द्र पाल सिंह, विनीता त्रिपाठी, रमा सिंह व शालिनी जैन आदि मनोवैज्ञानिकों ने काउन्सिलिंग कर परामर्श दिया। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन, बी0सी0ए0 विभागाध्यक्ष डॉ0 विवेक त्रिवेदी व संध्या शुक्ला आदि सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

सत्र 2015–16 के लिये हुआ एन0सी0सी0 कैडेट्स का चयन

दिनाँक 15 जुलाई 2015 को महाविद्यालय में संचालित 59यू0पी0बी0एन0एन0सी0सी0 कानपुर की सब यूनिट में सत्र 2015–16 के लिये एन0सी0सी0 कैडेट्स का चयन हुआ। महाविद्यालय में एन0सी0सी0 प्रभारी ए0एन0ओ0/सी0टी0ओ0 श्री विवेक त्रिवेदी के निर्देशन छात्रों का शारीरिक परीक्षण, कर दौड़ करायी। कूद 50 छात्रों के आवेदन पर निर्धारित 17 सीट्स पर शारीरिक व मानसिक रूप से सक्षम कैडेट्स का चयन किया गया। इस अवसर पर ए0एन0ओ0/ सी0टी0ओ0 श्री त्रिवेदी ने नव चयनित कैडेट्स को संबोधित करते हुये बताया कि स्व अनुशासन की शिक्षा एन0सी0सी0 से मिलती है। जिसका छात्र के जीवन में बहुत ही महत्व है। कैरियर निर्माण में एन0सी0सी0 कैडेट्स को सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता मिलती है।

एन0सी0सी0 के अन्तर्गत कैडेट्स को जहाँ सेना भर्ती में वरीयता मिलती है वही राज्य एवं केन्द्र सरकार की नौकरियों, यहाँ तक कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ भी वरीयता प्रदान करती है। श्री त्रिवेदी ने बताया कि व्यक्तित्व व आत्मबल के विकास में एन0सी0सी0 प्रशिक्षण का अत्याधिक महत्व है। इस अवसर पर चयनित कैडेट्स ने अनुशासन में रहते हुये नियमित परेड में सहभाग करने एवं प्रत्येक कार्यक्रम में हिस्सा लेने एवं सहयोग करने के लिये हामी भरी।

महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष को यू0जी0सी0 से प्रोजेक्ट स्वीकृत

महाविद्यालय में कार्यरत वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 भावना को यू0जी0सी0 से एक रिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। इसमें डॉ0 भावना को वर्मीकम्पोस्ट, केंचुआ खाद का पौधो एवं अनाजों की पैदावार सुधारने का प्रयास करना है। आज जहाँ यूरिया एवं अन्य रासायनिक खादों के प्रयोग से पैदावार तो बढ़ती है किन्तु जमीन की उर्वरता शक्ति एवं गुणवत्ता में धीरे–धीरे कमी आ रही है और साथ ही खाद्यान्न में भी स्वस्थ्य को हानि पहुचाने वाले तत्वों की मात्रा बढ रही है। पूर्व में प्रयोग के तौर पर कालेज प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन ने वर्मीकम्पोस्ट को कालेज में ही बनवाकर महाविद्यालय परिसर में पौधो को उगाने का प्रयास किया। कालेज प्रबन्धक विनय त्रिवेदी ने इस उपलब्धता पर हर्ष व्यक्त करते हुये आशा व्यक्त की कि इस अनुसन्धान से तहसील क्षेत्र के किसानों के साथ–साथ अन्य किसानों को भी लाभ प्राप्त होगा।

महाविद्यालय स्थापना दिवस पर हुये सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक 8 अगस्त को महाविद्यालय का स्थापना दिवस बड़े की हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दोदिवसीय आल्हा गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ0 नरेन्द्र मोहन के साथ समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं छात्र/छात्राओं के मॉ शारदा एवं महान् सन्त पथिक जी के पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर कालेज प्रबन्धक श्री विनय त्रिवेदी ने महाविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि कालेज स्थापना का उद्देश्य इस पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के बच्चों विशेष कर लड़कियों को उच्चशिक्षा प्रदान करना है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि शिक्षा को व्यवसाय की नजर से नहीं देखा जाना चाहिये उन्होंने महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य से उद्देश्य प्राप्ति में हर सम्भव सहयोग की अपेक्षा की।इस मौके पर छात्र/छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। सीापना दिवस के अवसर पर दो दिवसीय आल्हा गायन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। आल्हा गायन के अन्तर्गत भारतीय इतिहास के शूरवीरों के पराक्रम का गायन किया गया, जो वीर रस से ओत प्रोत ऐसा काव्य है जो आज भी हमें ओज व उत्साह से लवरेज कर देता है । आधुनिक समय में उक्त ऐतिहासिक भारतीय विरासत को जीवन्त रखने के उददेश्य से ही आल्हा गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन बबीना (झांसी) के आल्हा गायक लल्लू सिंह ने मलखान का विवाह तथा पृथ्वीराज से आल्हा–ऊदल के युद्ध की गाथा सुनाई। दूसरे दिन पतारा (हमीरपुर) से आये अनुरूद्ध सिंह गौर ने बेतवा (पनियर) की लड़ाई को काव्य के रूप में सुनाकर मौजूद लोगों में जोश का संचार किया। आल्हा गायकों ने बताया कि कवि जगनिक के ग्रंथ परिमाल रासों पर आधारित खंड काव्य मुख्यतः वीर रस प्रधान है। अतिश्योक्तियों की भरमार होने के साथ तत्कालीन युद्ध शैली का वर्णन भी है। अल्हा गायकों के सहयोगियों के रूप में राधेलाल और शमीम खान ने आल्हा गायन में चार चाँद लगाये। इस अवसर आल्हा सुनने के लिए क्षेत्रीय गाँवों के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

महाविद्यालय ने प्रारम्भ की गरीब मेधावी छात्रों हेतु छात्रवृत्ति योजना

मेधावी छात्र–छात्राओं को पढ़ाई लिये उत्साहित करने एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री शक्ति छात्रवृत्ति योजना को प्रारम्भ करने का निर्णय महाविद्यालय द्वारा लिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय 5 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अपने स्रोतों से उक्त मेधावियों को उपलब्ध करायेगा। पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में सूखे के कारण किसानों की स्थिति काफी दयनीय हो गयी है। इन किसानों में से अनेकों के बच्चे अत्यन्त मेधावी हैं किन्तु आर्थिक अभाव के कारण इन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में समस्यायें आ रही हैं। इन्हीं समस्याओं के निराकरण हेतु महाविद्यालय द्वारा इस योजना का शुभारम्भ किया गया है।महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली यह छात्रवृत्ति सरकारी छात्रवृत्ति के अतिरिक्त प्रदान की जायेगी। इसके लिये दिनांक 10 सितम्बर को लिखित परीक्षा का पारदर्शी ढंग से आयोजित की गयी । इसी परीक्षा के आधार पर छात्रवृत्ति हेतु छात्र–छात्रा का चयन किया जायेगा।

FROM THE FOUNDER'S DESK

Assessment and Accreditation of Teachers Education Department by National Assessment & Accreditation Council (NAAC) is certainly a milestone for our college but this process has inherent message- a message for her campus community to use it not for complacency but for true introspection. Here is nothing for discouragement but is everything to translate for golden tomorrow. Our Institution has already established internal Quality 4 Assurance cell (IQAC) but we must ensure that it is not confined only to record building cell This cell adequate empowerment to make more effective highest academic body of the Institution. More and more use of latest Technology not only for teaching-learning but also for community services, establishment of one active and result oriented placement cell and science -led value education are main challenges before our college.

Let us Pledge our co-operation for meeting these challenges successfully. Let us popularize the emotional feeling of "Mahavidyalay Pariwar" amongst all our stakeholders, Finally, let us bring a day when all to quote and follow us and not and not us to quoto and follow others. I estend my hearty congratulations to the Publication Board of Newsletter and appreciate for their all efforts to bring out this issue. With warm hearty New Year's Greeting for all our stakeholders.

-R.C. Trivedi

SHRI SHAKTI DEGREE COLLEGE

Shankhahari, Ghatampur, Kanpur Nagar

A Study of Centre of

Indira Gandhi National University (IGNOU)

Programmes Offered-

Certificate in Guidance (CIG)
Bachelor's Degree Programme (BDP)
Bechelor's Preparatory Programme (BPP)
Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD)
Certificate in Rural Development (CRD)

परामर्श :–
श्री विनय त्रिवेदी
श्री विवेक त्रिवेदी

सम्पादक :–
डॉ. सन्दीप त्रिपाठी

सम्पादक :– समाचार संकलन एवं लेखन :–
अखिलेश मिश्र

श्री शक्ति डिग्री कालेज, साँखाहारी, हरबसपुर, घाटमपुर–कानपुर नगर–209206
फोन : 05115–237319, 237381, फैक्स नं० : 05115–237381
Website : www.sssdckanpur.org, Email : info.ssdc@gmail.com